Nai Dunia (Indore) 24th July 2020, Page-2

आइआइटी की फैकल्टी की मदद ले सकेंगे कॉलेज

शहर के 16 प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों को मदद करेगा आइआइटी

गजेन्द्र विश्वकर्मा • इंदौर (नईदुनिया)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर अब शहर के इंजीनियरिंग संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अपनी विश्व स्तरीय लैब, उपकरण, फैकल्टी और अन्य सुविधाओं का उपयोग करने की छूट दे रहा है। संस्थान ने 24 जून को शहर के 16 इंजीनियरिंग संस्थानों से इस संबंध में ऑनलाइन मीटिंग की थी। इसमें सभी संस्थानों से पूछा गया था कि आइआइटी उनके लिए क्या मदद कर सकता है। अब संस्थान के निदेशक का कहना है कि आइआइटी इंदौर इंजीनियरिंग कॉलेजों की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए हर तरह की मदद करेगा। इसमें विश्व स्तरीय लैब, उपकरण का उपयोग करने के साथ ही फैकल्टी की भी मदद ली जा सकेगी। आइआइटी द्वारा हाल ही में बनाए गए ऑनलाइन परीक्षा मॉड्यूल और कक्षाएं लेने वाला सॉफ्टवेयर भी सभी कॉलेजों को नि:शुल्क उपयोग करने के लिए दिया जाएगा। स्टार्टअप करने वाले इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए भी संस्थान ने दरवाजे खोल दिए हैं। विद्यार्थी यहां प्रोडक्ट बनाने के लिए रिसर्च कर सकेंगे। संस्थान इन्हें फंडिंग भी देगा।

शहर के शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता बेहतर करना उद्देश्य

संस्थान के निदेशक डॉ. निलेश कुमार जैन का कहना है हमारे पास विश्व स्तरीय सुविधा मौजूद है। शहर को मदद करने की शुरुआत हमने कोरोना वायरस के टेस्ट में सहायक उपकरण देकर की थी। हम शहर के 16 शिक्षण संस्थानों को बेहतर करने में मदद करेंगे। इन संस्थानों में राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी (आरआरकेट), श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एसजीएसआइटीएस), देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी (डीएवीवी) के अलावा अन्य 13 प्राइवेट संस्थान शामिल हैं जो आइआइटी की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे।

ये फायदा मिलेगा

- शुरुआत में शहर के 16 प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेज आइआइटी के साथ जुड़कर संसाधन उपयोग कर सकेंगे।
- शहर के शिक्षण संस्थानों को अब लैब या किसी तरह के उच्च स्तरीय उपकरणों की कमी महसूस नहीं होगी।
- अब सभी शिक्षण संस्थान मिलकर रिसर्च प्रोजेक्ट में हिस्सा ले सकेंगे।
- शिक्षण संस्थानों के हर साल 20 हजार विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।
- शहर के स्टार्टअप भी प्रोडक्ट बनाने के लिए रिसर्च कर सकेंगे और आइआइटी से फंडिंग भी ले सकेंगे।